



विद्यासागर विश्वविद्यालय
VIDYASAGAR UNIVERSITY

Question Paper

B.A. General Examination 2022

(Under CBCS Pattern)

Semester - VI

Subject: SANSKRIT

Paper: DSE 1B/2B-T

Full Marks : 60

Time : 3 Hours

Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

The figures in the margin indicate full marks.

Literary Criticism

1. निम्नलिखितानां केषाञ्चित् पञ्चानां प्रश्नानाम् उत्तरं संस्कृतभाषायां देवनागरलिप्यां च देयम्।

2×5=10

निम्नलिखित येकोन पाँचटि प्रश्नेर उत्तर संस्कृत भाषाय ओ देवनागरी लिपिते लेख।

(क) काव्यप्रकाशकारः कः? काव्यप्रकाशे कति उल्लासाः सन्ति?

(क) काव्यप्रकाशे रचयिता के? काव्यप्रकाशे कति उल्लास आछे?

(ख) किं वस्तु नियतिकृतनियमरहितम्? कथं तन्नियतिकृतनियमरहितम्?

(ख) काके नियति सृष्टि नियम बहिर्भूत बला हयैछे? केन सेटि नियति सृष्टि नियम बहिर्भूत?

(ग) 'नवरसरुचिरां निर्मितिम् ...' — काव्यस्य नवरसः कः?

(ग) 'नवरसरुचिराम् ...' — काव्ये नव रस किं?

- (ঘ) কাব্যপ্রকাশগ্রন্থস্য মঙ্গলাচরণাত্মকঃ শ্লোকঃ কঃ? কাব্যপ্রকাশস্য প্রথমোল্লাসস্য নাম কিম্?
- (ঘ) কাব্যপ্রকাশ গ্রন্থটির মঙ্গলাচরণাত্মক শ্লোকটি কি? কাব্যপ্রকাশের প্রথম উল্লাসের নাম কি?
- (ঙ) কিয়ৎ কাব্যমসি? কানি চ তানি?
- (ঙ) কাব্য কত প্রকার ও কি কি?
- (চ) উত্তমকাব্যস্য সংজ্ঞা দীয়তাম্।
- (চ) উত্তম কাব্যের সংজ্ঞা লেখ।
- (চ) মম্মটানুসারং চিত্রকাব্যস্য স্বরূপং কিম্?
- (ছ) মম্মটের মতে চিত্রকাব্যের স্বরূপ কি?
- (জ) ‘অনলংকৃতা পুনঃ ক্বাপি’ — ইত্যনেন কিং বোধ্যতে?
- (জ) “অনলংকৃতা পুনঃ ক্বাপি” — এই উক্তির তাৎপর্য কি?

2. নিম্নলিখিতানাং কेषাञ्चित् চতুর্ণাং প্রশ্নানাং উত্তরং প্রদেয়ম্।

5×4=20

নিম্নলিখিত যেকোন চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

- (ক) ‘কাব্যং কেবলং হলাদৈকময়ি কথং ভবতি?’
- (ক) ‘কাব্য কেবলমাত্র হলাদৈকময়ী কিরূপে হয়?’
- (খ) ‘শক্তিঃ কবিত্ববীজরূপসংস্কারবিশেষঃ’ — আলোচ্যতাম্।
- (খ) ‘শক্তিঃ কবিত্ববীজরূপঃ সংস্কারবিশেষঃ — আলোচনা করো।
- (গ) ‘যঃ কৌমারহরঃ...’ — ইতি কাব্যে কাব্যত্বম্ অসি ন বা? যদি স্যাৎ তর্হি কথং তস্য কাব্যস্য কাব্যত্বমসি? — আলোচ্যতাম্।
- (গ) ‘যঃ কৌমারহরঃ ...’ এই কাব্যে কি কাব্যত্ব আছে? যদি থাকে তাহলে কেন কাব্যত্ব আছে আলোচনা করো।
- (ঘ) স্ফোটঃ কঃ? সংক্ষেপেণ লিখ্যতাম্।
- (ঘ) স্ফোট কি? সংক্ষেপে লেখ।
- (ঙ) “ইতি হেতুস্তদুদ্ভবে” — ব্যাখ্যায়তাম্।
- (ঙ) “ইতি হেতুস্তদুদ্ভবে” — ব্যাখ্যা কর।
- (চ) মম্মটস্য মতানুসারং কাব্যং কীদৃশমুপদেশং দদাতি? — আলোচ্যতাম্।
- (চ) কাব্য কিরূপে উপদেশ দেয়? মম্মটের মত অনুযায়ী আলোচনা করো।

3. केषाञ्चित् त्रयाणां प्रश्नानाम् उत्तरं देयम्।

10×3=30

ये कोन तिनटि प्रश्नेर उतुतर दाओ।

(क) काव्यस्य प्रयोजनानि कानि आलोच्यन्ताम्।

(क) काव्येर प्रयोजनगुलि आलोचना करौ।

(ख) सोदाहरणं कस्यचिदेकस्य काव्यस्य संज्ञां प्रदाय विश्लष्यताम्।

(ख) उदाहरण सहयोगे येकोनो एक प्रकार काव्येर संज्ञा लिखे विश्लषण करौ।

(ग) काव्यस्य स्वरूपमालोच्यताम्।

(ग) काव्येर स्वरूप आलोचना करौ।

(घ) कयोश्चिद्द्वयोः टीका लेख्या।

शक्तिः, ध्वनिकाव्यम्, व्युत्पत्तिः, अभ्यासः

(घ) टीका लेख। (ये कोन दूटि) :

शक्ति, ध्वनिकाव्य, व्युत्पत्ति, अभ्यास

(ङ) काव्यस्य कारणानि आलोच्यन्ताम्।

(ङ) काव्येर कारणगुलि आलोचना करौ।

Or,

Nationalism in Sanskrit Literature

अ. निम्नलिखितेषु प्रश्नत्रयस्य उत्तरं प्रदेयम्।

10×3=30

निम्नलिखित प्रश्नतिनिटिर उतर दाओ।

1. राष्ट्रशब्दस्य व्युत्पत्तिं प्रदर्श्य राष्ट्रस्य स्वरूपमालोच्यताम्।
१. राष्ट्रशब्दर व्युत्पत्ति प्रदर्शन करिया स्वरूप आलोचना कर।
2. भारतवर्षस्य स्वातन्त्र्यसंग्रामे भारतस्य सामाजिक-धर्मीय-जातीयतावादिनां भूमिका कृदृशो आसीत्? — वर्णयताम्।
२. भारतवर्षेर स्वतन्त्रसंग्रामे भारतेर सामाजिक-धर्मीय-जातीयतावादिएर भूमिका कीरूप छिन — वर्णना कर।
3. 'गान्धीगीतानुसारं सत्याग्रहस्य स्वरूपं लेखनीयम्।
३. गान्धीगीता अनुसारे सत्याग्रहर स्वरूप लेख।
4. आचार्यकौटिलस्य मते सप्ताङ्गनीतिः कथं राष्ट्रगठने सहायका भवति?
4. आचार्य कौटिल्येर मते सप्ताङ्गनीति किभावे राष्ट्रगठने सहायक हर?
5. भारतीयराष्ट्रवादस्य क्रमिकविकाशसम्बन्धे एकं प्रबन्धं लिखतु।
५. भारतीयराष्ट्रवादेर क्रमविकाश सम्पर्के एकटि प्रबन्ध लेख।

आ. निम्नलिखितेषु विषयेषु चतस्रः टीकाः लेखनीयाः।

5×4=20

निम्नलिखित विषयगुलि थेके ये कोन चारटि टीका लेख।

1. भारतवर्षः
१. भारतवर्ष
2. अशोकचक्रम्
२. अशोकचक्र
3. भीम-राओ-आम्बेदकरः
३. भीमराओ आम्बेदकर
4. प्रजातन्त्रम्
४. प्रजातन्त्र

5. अहिंसा

५. अहिंसा

6. सद्भावना

६. सद्भावना

इ. निम्नलिखितेषु प्रश्नेषु पञ्चप्रश्नानां समाधानं कार्यम्।

2×5=10

निम्नलिखित प्रश्नগুলির থেকে যেকোনো পাঁচটির সমাধান কর।

1. कयोः वेदयोः राष्ट्रसम्पर्कितं सूक्तं प्राप्यते?

১. কোন দুটি বেদের মধ্যে রাষ্ট্রসম্বন্ধীয় সূক্ত পাওয়া যায়।

2. महाभारतस्य रचनाकारः कः? आचार्यकौटिल्येन किं विरचितम्?

২. মহাভারতের রচনাকার কে? আচার্য কৌটিল্য কি রচনা করেছেন?

3. भारतस्य जातीयध्वजे कति वर्णाः सन्ति? के च ते?

৩. ভারতের জাতীয় পতাকায় রং কত গুলি ও কি কি?

4. स्वामीविवेकानन्दस्य प्रकृतं नाम किम्? विशेषतः कुत्र गत्वा तेन धर्मविषयकं भाषणं प्रदत्तम्?

৪. স্বামী বিবেকানন্দের প্রকৃত নাম কি? কোথায় গিয়ে তিনি ধর্মবিষয়ক ভাষণ দিয়েছিলেন?

5. वन्दे मातरम्! इति सङ्गीतस्य प्रवर्तकः कः? किं च अस्माकं जातीयसङ्गीतम्।

৫. বন্দে মাতরম্ সংগীতটির প্রবর্তক কে? আমাদের জাতীয় সংগীত কোনটি?

6. कस्मिन् वर्षे कस्मिन् मासे कस्मिन् दिवसे च भारतवर्षस्य स्वातन्त्रता लब्धा?

৬. কোন বছরের কোন মাসের কোন দিনে ভারতবর্ষের স্বাধীনতা লাভ হয়েছিল?

7. भारतवर्षस्य सर्वप्रथमः प्रधानमन्त्री तथा सर्वप्रथमः राष्ट्रपतिः कः?

৭. ভারতবর্ষের সর্বপ্রথম প্রধানমন্ত্রী तथा সর্বপ্রথম রাষ্ট্রপতির নাম কি?

8. महात्मागान्धिनः नेतृत्वे आयोजितस्य कस्यापि आन्दोलनद्वयस्य नाम लेखनीयम्।

৮. মহাত্মা গান্ধীর নেতৃত্বে আয়োজিত দুটি আন্দোলনের নাম লেখ।

Or,

Mathematical Tradition in Sanskrit

1. यथामति प्रश्नपञ्चकस्य उत्तरं प्रदीयताम्।

2×5=10

येकोन पाँचटि प्रश्नेर उतुर दाओ।

(a) आर्यभट्टपादैः विरचितानां ग्रन्थानां नामानि विलिख्यन्ताम्।

आर्यभट्ट रचित ग्रन्थुनिर नाम लेख।

(b) ब्रह्मस्फुटसिद्धान्तस्य क एव रचनाकालः? अस्मिन् कति अध्यायाः सन्ति?

ब्रह्मस्फुटसिद्धान्तुेर रचनाकाल कि? एते क'टि अध्याय आछे?

(c) लीलावती कस्य ग्रन्थस्य अंशः? अत्र आलोच्यविषयः कः?

लीलावती कोन ग्रन्थुेर अंश? एर आलोच्य विषय कि?

(d) पञ्चसिद्धान्तिका इति ग्रन्थस्य सिद्धान्तानां कानि नामानि?

पञ्चसिद्धान्तिका ग्रन्थुेर सिद्धान्तुणुनिर नाम कि कि?

(e) भारतीय-ज्योतिष-शास्त्राणां भागसमूहः कः?

भारतीय ज्योतिष शास्त्र कि कि भागे विभक्त?

(f) गणित-शब्दस्य कोऽर्थः?

गणित शब्दुेर कि अर्थ?

(g) पिथागोरासाचार्यस्य उपपाद्य-चिन्ता भारतीय-गणिते कुत्रोपलभ्यते?

पिथागोरासेर उपपाद्युेर धारणा भारतीय गणिते कोथाय देखते पाओया याय?

(h) अथर्ववेदान्तर्गतस्य ज्योतिष-ग्रन्थस्य नाम किम्?

अथर्ववेदुेर अन्तुर्गत ज्योतिष ग्रन्थुेर नाम कि?

2. अधोलिखितानां प्रश्नानां मध्ये चतुर्णामुत्तरं विलिख्यताम्।

5×4=20

निम्नलिखित प्रश्नुणुनिर मध्ये चारुटिर उतुर दाओ।

(a) ब्रह्मगुप्तस्य रचनासमूहविषये संक्षेपेण आलोच्यताम्।

ब्रह्मगुप्तुेर रचनाविषये संक्षेपे आलोचना कर।

(b) गणेश-दैवज्ञाचार्यस्य अवदानं किम्?

गणेश दैवज्ञेुेर अवदान कि?

(c) टीका विरच्यताम् — आर्यभट्टीयम्।

टीका लेख — आर्यभट्टीय।

(d) टीका विरच्यताम् — अनन्ततत्त्वम्।

टीका लेख — अनन्ततत्त्व।

(e) वेदाङ्गज्योतिषविषये दिग्दर्शनं क्रियताम्।

वेदाङ्ग-ज्योतिषविषये दिग्दर्शन कर।

(f) टीका लेख्या — श्रीधरः

टीका लेख — श्रीधर।

3. त्रयाणां प्रश्नानामुत्तरं प्रयच्छताम्।

10×3=30

तिनटि प्रश्नेर उक्तेर दाओ।

(a) मध्ययुगे गणित-शास्त्रानुशीलनमधिकृत्य प्रबन्धो विरच्यताम्।

मध्ययुगे गणित-शास्त्रानुशीलन विषये प्रबन्ध लेख।

(b) गणितशास्त्रे भास्कराचार्यस्य अवदानम् आलोच्यताम्।

गणित-शास्त्रे भास्कराचार्ये अवदान आलोचना कर।

(c) घनः घनमूलं च विषये प्रबन्धो विरच्यताम्।

घन एवं घनमूल विषये प्रबन्ध लेख।

(d) श्रीधराचार्याणां ग्रन्थानां विषये आलोच्यताम्।

श्रीधराचार्ये ग्रन्थुलिर विषये आलोचना कर।

(e) वैदिक-गणितमाप्रित्य प्रबन्धो विरच्यताम्।

वैदिक गणित विषये एकटि प्रबन्ध रचना कर।



বিদ্যাসাগর বিশ্ববিদ্যালয়
VIDYASAGAR UNIVERSITY

Question Paper

B.A. General Examination 2022

(Under CBCS Pattern)

Semester - VI

Subject: SANSKRIT

Paper: GE 2-T

Full Marks : 60

Time : 3 Hours

Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

The figures in the margin indicate full marks.

Sanskrit Meter and Music

1. अधोस्तनेषु यथेच्छं प्रश्नपञ्चकस्य उत्तरं प्रदेयम् — 2×5=10

যেকোন পাঁচটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

(ক) छन्दः-शब्दस्य व्युत्पत्तिगतः अर्थः कः ?

ছন্দ:-শব্দের ব্যুৎপত্তিগত অর্থ কী?

(ख) साम्प्रतं वेदेषु कति छन्दांसि विद्यन्ते? कानि च तानि ?

সম্প্রতি বেদে কটি ছন্দ আছে? সেগুলি কী কী?

(ग) जातिर्नाम का ?

জাতি কাকে বলে?

(घ) किं नाम वृत्तम्? तत् कतिविधम्?

वृत्त काके बले? वृत्त कय प्रकार?

(ङ) स्वल्पाक्षरविशिष्टस्य वैदिकछन्दसो नाम किम्? तत्र कति अक्षराः सन्ति?

अन्नाक्षरविशिष्ट वैदिकछन्दे नाम की? सेथाने क'टि अक्षर आछे?

(च) चतुर्भिः यकारैः संयुतं छन्दः किम्? को नाम अक्षरः?

चारटि 'य'-कारेण द्वारा संयुक्त छन्दे नाम की? 'अक्षर' काके बले?

(छ) स्रग्विनीछन्दसः लक्षणं किम्? तत्र के के गणाः विद्यन्ते?

'स्रग्विनी' छन्दे लक्षण की? सेथाने की की गण आछे?

(ज) का नाम यतिः?

'यति' काके बले?

2. यथेच्छं प्रश्नचतुष्टयं समाधेयम् :

5×4=20

येकोन चारटि प्रश्नेर उत्तर दाओ :

(क) शिखरिणी-छन्दसः सोदाहरणं लक्षणं वैशिष्ट्यानि च उल्लिख्यन्ताम्।

शिखरिणी छन्दे उदाहरणसह लक्षण ओ वैशिष्ट्य उल्लेख कर।

(ख) गणनिर्णयपूर्वकं छन्दो निर्णयिताम् :

गणनिर्णयपूर्वक छन्दः निर्णय कर :

चित्रे निवेश्य परिकल्पितसत्त्वयोगा।

(ग) टीका लेख्या : मात्रावृत्तम् अथवा छन्दोमञ्जरी

टीका लेख — मात्रावृत्त अथवा छन्दोमञ्जरी

(घ) छन्दःशास्त्रानुसारं के के वर्णा गुरुसंज्ञका भवन्ति? कारिकामुल्लिख्य आलोचय।

छन्दः शास्त्रानुसारे कोन् कोन् वर्ण गुरु हय? कारिका उल्लेख करे आलोचना कर।

(ङ) वैदिकछन्दसः सोदाहरणं लक्षणं वैशिष्ट्यानि च लिख्यन्ताम् : अनुष्टुप् अथवा जगती

वैदिक छन्दे उदाहरणसह लक्षण ओ वैशिष्ट्यगुलि उल्लेख कर : अनुष्टुप् अथवा जगती

(च) गणनिर्णयपूर्वकं छन्दो निर्णयताम् :

गणनिर्णय पूर्वक छन्दः निर्णय कर :

प्रकृत्या यद्वक्रं तदपि समरेखं नयनयोः।

3. यथेच्छं प्रश्नत्रयस्य उत्तरं प्रदीयताम् :

10×3=30

येकोन तिनटि प्रश्नेर उत्तर दाओ :

(क) वैदिकछन्दसां गीतपद्धतिविषये नातिदीर्घं प्रबन्धं विरचय।

वैदिकछन्दगुणिर गान करवार पद्धतिविषये नातिदीर्घं प्रबन्ध लेख।

(ख) संस्कृतछन्दःशास्त्रस्य उत्पत्तिः क्रमविकाशश्च पर्यालोच्यताम्।

संस्कृतछन्दः शास्त्रेण उत्पत्तिः ओ क्रमविकाश आलोचना कर।

(ग) निम्नोक्तानां छन्दसां सोदाहरणं लक्षण-वैशिष्ट्यानि प्रतिपाद्यन्ताम् :

निम्नोक्त छन्ददुटिर उदाहरणसह लक्षण-वैशिष्ट्य प्रतिपादन कर।

हरिगीतिका, त्रोटकम्

(घ) किं नाम पद्यम्? पद्यं कतिविधम्? सर्वेषां लक्षणानि सोदाहरणम् आलोचय।

पद्य काके बले? पद्य कयप्रकार? सकल प्रकार भेदेर लक्षण उदाहरणसह आलोचना कर।

(ङ) विषयद्वयमधिकृत्य टीका लेख्या : शार्दूलविक्रीडितम्, स्रग्धरा

विषयदुटिके अबलघन करे टीका लेख : शार्दूलविक्रीडित, स्रग्धरा।

Or,

Ethical and Moral issues in Sanskrit Literature

১. অধোলিখিতেষু প্রশ্নেষু পञ্চানাং প্রশ্নানাং উত্তরং প্রদেয়ম্ —

2×5=10

নীচের যে কোন পাঁচটি প্রশ্নের উত্তর দাও —

(ক) গীতা মহাভারতস্য কস্মিন্ পর্বণি অস্ति? তত্র কতি শ্লোকাঃ সন্ति?

গীতা মহাভারতের কোন পর্বের অন্তর্গত? সেখানে (গীতাতে) কতগুলি শ্লোক আছে?

(খ) রূপকস্য কতি ভেদাঃ? কে চ তে?

রূপক কয় প্রকার? রূপকের বিভাগগুলির নাম লেখ।

(গ) অশ্বখামা কস্য পুত্রঃ আসীত? স কং বংশং নিহতবান্?

অশ্বখামা কার পুত্র ছিলেন? তিনি কোন বংশকে বিনাশ করেছিলেন?

(ঘ) রাজা দুষ্যন্তঃ কিমর্থং শকুন্তলাং প্রত্যাখ্যাতবান্?

রাজা দুষ্যন্ত কেন শকুন্তলাকে প্রত্যাখ্যান করেছিলেন?

(ঙ) কালিদাসস্য কৃতয়ঃ লিখ্যন্তাম্।

কালিদাসের গ্রন্থসমূহের নাম লেখ।

(চ) ক্রমানুসারং রামায়ণস্য কাণ্ডানি লিখতু।

ক্রমানুসারে রামায়ণের কাণ্ডগুলির নাম লেখ।

(ছ) ব্যাসঃ কঃ? তস্য সম্পূর্ণ নাম কিম্?

ব্যাস কে? তার সম্পূর্ণ নাম লেখ।

(জ) মনুসংহিতায়াঃ সপ্তমাধ্যায়স্য নাম কিম্? তত্র কতি অধ্যায়াঃ সন্ति?

মনুসংহিতার সপ্তম অধ্যায়ের নাম কি? মনুসংহিতায় কয়টি অধ্যায় আছে?

২. অধোলিখিতেষু যথেষ্টং চতুর্णां প্রশ্নানাং উত্তরং প্রদেয়ম্ :

5×4=20

নীচের যে কোন চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

(ক) অভিজ্ঞানশকুন্তলম্ ইতি নাটকস্য পञ্চমাঙ্কানুসারং রাজঃ দুষ্যন্তস্য চরিত্রচিত্রণং কুরু।

অভিজ্ঞানশকুন্তলম্ এই নাটকের পঞ্চমাঙ্ক অনুসারে রাজা দুষ্যন্তের চরিত্র বর্ণনা কর।

(খ) 'রামচন্দ্রঃ আদর্শঃ পতিঃ' — अस्य सपक्षे युक्तयः प्रतिपाद्यन्ताम्।

'রামচন্দ্র একজন আদর্শ পতি' — এই বক্তব্যের সপক্ষে যুক্তি দাও।

(ग) मनुसंहितानुसारं कदा युद्धं कर्तव्यम् इति आलोच्यताम्।

कथन युद्ध करा उचिं — मनुसंहिता अनुयायी लेख।

(घ) नीतिशतकानुसारं श्रेयसां पन्थानः लिख्यन्ताम्।

नीतिशतक अनुसारे महान व्यक्तिर मार्गगुलि लेख।

(ङ) स्वधर्मपालने मनुष्यस्य कर्तव्यविषये गीतानुसारं विस्तृतलोचना क्रियताम्।

स्वधर्मानुशीलने मानुषेर करणीय विषये गीतानुयायी विस्तृत आलोचना कर।

(च) कुरुक्षेत्रे श्रीकृष्णस्य युद्धनीतिविषये आलोचनां कुरु।

कुरुक्षेत्रयुद्धे भगवान श्रीकृष्णेर युद्धनीति विषये आलोचना कर।

३. अधोलिखितेषु यथेच्छं त्रयाणां प्रश्नानाम् उत्तरं प्रदेयम्।

10×3=30

नीचेर ये कोन तिनटि प्रश्नेर उतर दाओ।

(क) गीतानुसारं स्थितप्रज्ञस्य लक्षणं निरूपयत।

श्रीमद्भगवद्गीता अनुसारे स्थितप्रज्ञेर लक्षण निरूपण कर।

(ख) द्रौपदीं प्रति दुर्योधनस्य दुर्व्यवहारमुपलक्ष्य समीक्षात्मकालोचना क्रियताम्।

द्रौपदीर प्रति दुर्योधनेर दुर्व्यवहार — ईह प्रसङ्गे समीक्षात्मक आलोचना कर।

(ग) नीतिशतकानुसारं विद्यायाः महत्त्वम् आलोच्यताम्।

नीतिशतक अनुसारे विद्यार महत्त्व आलोचना कर।

(घ) दुष्यन्तेन शकुन्तलायाः प्रत्याख्यानं सङ्गतं न वेति विचार्यताम्।

दुष्यन्तेर द्वारा शकुन्तलार प्रत्याख्यान उचिं ना अनुचिं — आलोचना कर।

(ङ) उरुभङ्गनाटके संस्कृतालंकारशास्त्रस्य उल्लङ्घनमस्ति इति उदाहरणयोगेन आलोच्यताम्।

उरुभङ्गनाटके संस्कृत अलंकारशास्त्रेर नियम लङ्घित हयेछे — उदाहरण सहयोगे आलोचना कर।

Or,

Basics of Sanskrit Linguistics

1. अधोलिखितेषु सुरगिरा देवनागर्या च पूर्णवाक्येन पञ्चप्रश्नाः समाधेयाः। 2×5=10

যে কোনো পাঁচটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় ও দেবনাগরী লিপিতে লেখ।

(क) भाषायाः लक्षणानि कानि ?

ভাষার লক্ষণ লেখ।

(ख) ध्वनेः आधारत्रयं किम् ?

ধ্বনির তিনটি আধার কি কি ?

(ग) भाषाविज्ञानदृष्ट्या वाक्यविन्यासे का अत्यावश्यकी वर्तते ?

ভাষাবিজ্ঞানের মতে বাক্যবিন্যাসে অত্যাৱশ্যকী কি ?

(घ) तालव्यनियमः कः ?

তালব্যনিয়ম বলতে কি বোঝ ?

(ङ) भारोपीयभाषापरिवारस्य वैशिष्ट्यं किम् ?

ভারোপীয়ভাষাপরিবারের বৈশিষ্ট্যগুলি লেখ ?

(च) अर्थस्वरूपं किम् ?

অর্থস্বরূপ বলতে কি বোঝ ?

(छ) ध्वनिविज्ञानस्य किं स्वरूपम् ?

ধ্বনিবিজ্ঞানের স্বরূপটি লেখ।

(ज) अर्थविज्ञाने केषां विषयाणाम् आलोचनं भवति ?

অর্থবিজ্ঞানে কোন বিষয়ে আলোচনা করা হয়েছে ?

2. चतुर्णां प्रश्नानामत्तरं देयम्? 5×4=20

যে কোন চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

(क) भाषाणाम् आकृतिमूलकं वर्गीकरणविषये लघुनिबन्धो लेख्यः।

ভাষার আকৃতিমূলক বর্গীকরণ বিষয়ে আলোচনা করো।

(ख) उच्चारणात्मकं ध्वनिविज्ञानं किम्?

उच्चारणात्मकं ध्वनिविज्ञान विषये लेख।

(ग) पदस्य परिभाषां वर्णयत।

पदस्य परिभाषा वर्णना करो।

(घ) व्यञ्जनानाम् उच्चारणस्थानानि कानि?

व्यञ्जनवर्णस्य उच्चारणस्थानानि आलोचना करो।

(ङ) अर्थस्य महत्त्वं किम्? अर्थस्वरूपं किम्?

अर्थस्य महत्त्वं लिखे तस्य स्वरूपं लिख।

(च) वैदिकसंस्कृत-लौकिकसंस्कृतयोः साम्यं किम्?

वैदिकसंस्कृतं च लौकिकसंस्कृतस्य साम्यं किं किं?

3. अधोलिखितेषु प्रश्नत्रयं समाधेयम्।

10×3=30

निम्नलिखितं ये कोन तिनति प्रश्नेर उतर दाओ।

(क) भाषाविज्ञानस्य किं स्वरूपम् तस्य नामकरणं शाखोपशाखं च आलोचयत।

भाषाविज्ञानस्य स्वरूपं लिखे तस्य नामकरणस्य शाखोपशाखानि आलोचना करो?

(ख) भाषाणां पारिवारिकं वर्गीकरणं कथं भवति इति विचारयत।

भाषास्य पारिवारिकं वर्गीकरणं विषये सविस्तारं आलोचना करो।

(ग) अपश्रुतिः का इति सविशदम् आलोचयत।

अपश्रुतिः किं, ता सविशदं आलोचना करो।

(घ) पदलक्षणं प्रतिपाद्य तस्य वर्गीकरणं कुरुत।

पदस्य लक्षणं किं? पदस्य वर्गीकरणं सम्यक् लिख।

(ङ) वाक्यस्य महत्त्वं प्रतिपाद्य वाक्यस्वरूपं विवेचयत।

वाक्यस्य महत्त्वं लिखे तस्य स्वरूपं लिख।



বিদ্যাসাগর বিশ্ববিদ্যালয়
VIDYASAGAR UNIVERSITY

Question Paper

B.A. General Examinations 2022

(Under CBCS Pattern)

Semester - VI

Subject : SANSKRIT

Paper : SEC 4-T

Indian Theatre

Full Marks : 40

Time : 2 Hours

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

The figures in the margin indicate full marks.

Group - A

अधोलिखितेषु प्रश्नेषु चतुर्णाम् प्रश्नानाम् उत्तरं प्रदेयम् :

5×4=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যেকোন চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

1. भरतमुनिना नाट्यशास्त्रे कति रसाः स्वीकृताः ? तेषां रसानां नाम वर्णाः देवताश्च उल्लिखन्ताम्।

ভরতমুনি নাট্যশাস্ত্রে কয়টি রস স্বীকার করেছেন। রসসমূহের নাম, বর্ণ ও দেবতা উল্লেখ কর।

2. संस्कृतनाट्यसाहित्ये वैदिकसाहित्यस्यावदानं आलोचनीयम्।

সংস্কৃতনাট্যসাহিত্যে বৈদিকসাহিত্যের অবদান আলোচনা কর।

3. संस्कृतनाट्यशास्त्रानुसारेण नाट्यवस्तुविषयकः एकः लघु प्रबन्धः लेख्यः।

সংস্কৃতনাট্যশাস্ত্রানুসারে নাট্যবস্তুবিষয়ক একটি প্রবন্ধ লেখ।

4. संस्कृतनाट्यशास्त्रानुसारेण वाचिकम् आहार्यं च आप्प्रित्य आलोच्यन्ताम्।

संस्कृतनाट्यशास्त्रानुसारे वाचिके ओ आहार्ये विषये आलोचना कर।

5. गणनाट्यं किम्? वङ्गगणनाट्यमाप्प्रित्य एकः लघु प्रबन्धः लेख्यः।

गणनाट्ये की? बाङ्गला गणनाट्यविषये संक्षिप्तु ँकट्टि प्रबन्ध लेख।

6. वैयासिके महाभारते प्राप्तानि संस्कृतनाट्यसाहित्यविषयकाणि तत्त्वानि उल्लिख्यन्ताम्।

वैयासिक महाभारते प्राप्तु संस्कृतनाट्यसाहित्ये सम्पर्किते तथ्युगुलि उल्लेख कर।

Group - B

अधोलिखितेषु प्रश्नेषु द्वयोः प्रश्नयोः उत्तरं प्रदेयम् :

10×2=20

निम्नलिखित प्रश्नगुलिर मध्ये येकोन दुट्टि प्रश्नेर उत्तर दाओ :

1. भारतवर्षस्य जातीयनाट्यसंस्थायाः स्थापना कदा कुत्र अभवत् अस्याः संस्थायाः विकासमाप्प्रित्य एकः प्रबन्धः लेख्यः।

भारतेर जातीय नाट्यसंस्थार (Indian National Theatre) प्रतिष्ठा कवे ओ कोथाय ह्येखिल। प्रतिष्ठानट्टिर ढ्रमविकाश सम्पर्के ँकट्टि प्रबन्ध लेख।

2. अर्वाचीनभारतीयनाट्यसाहित्यम् संक्षेपेण आलोचनीयम्।

आधुनिक भारतीय नाट्ये विषये संक्षेपे आलोचना कर।

3. संस्कृतनाट्यसाहित्ये ग्रीकसाहित्यस्यावदानम् आलोचनीयम्।

संस्कृतनाट्यसाहित्ये ग्रीकसाहित्ये प्रभाव आलोचना कर।

4. आचार्येण भरतेन प्रणीतं रससूत्रमुल्लेखपुरःसरं व्याख्यायताम्।

आचार्ये भरते प्रणीते रससूत्रे उल्लेखपूर्वक व्याख्या कर।
